Name of Paper : HINDUSTAN

Published at : NEW DELHI

Dated : 27 JUN 2007

दुनियाभर में 20 करोड़ नशाखोर : संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली (आईएएनएस)। संयुक्त राष्ट्र संघ की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में नशेखारों की संख्या 20 करोड़ पहुंच गई है। ये नशेड़ी कोकीन, अफीम, हेरोइन जैसे मादक द्रव्यों की गिरफ्त में हैं। इनमें नशीली दवाइयों का क्रेज भी बरकरार है। यूएनओडीसी की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 15 से 64 वर्ष उम्र की कुल आबादी का 5 फीसदी हिस्सा नशाखोर है। यूरोप और एशिया में अफीम के नशे का चलन सबसे अधिक है। नशाखोरों में यह नंबर एक मादक द्रव्य माना जाता है। दक्षिण अमेरिका में कोकीन का सबसे अधिक क्रेज है जबकि अफ्रीका भांग व गांजा जैसे मादक द्रव्यों के नशे की चपेट में है। दुनिया के 50 फीसदी से अधिक अफीमची एशिया में रहते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक केंद्र अफगानिस्तान है। रिपोर्ट के मुताबिक मध्य एशिया में अफीमचियों की संख्या करीब तीन लाख है जबकि दुनिया में हेरोइन का सेवन करने वाले लोगों की संख्या 10 लाख है। कई देशों द्वारा तस्करी से निपटने के लिए कदम उठाए जाने के बावज़ूद वर्ष 2006 में वैश्विक ड्रग खपत स्थिर रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक दशक में पाकिस्तान, ईरान और भारत जैसे कई देशों और अफ्रीका, यूरोप, रूस में हेरोइन की खपत में बढ़ोत्तरी हुई। ऐसे इलाकों में नशे की प्रवृत्ति कहीं अधिक मजबूत पाई गयी है जहां गरीबी और एचआईवी संक्रमण का स्तर अधिक है। भारत में कोकीन का सेवन करने वाले लोगों में खतरनाक बढ़ोत्तरी हुई। दक्षिण अफ्रीका में भी कोकीन की खपत में बढ़ोत्तरी हुई है।